आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 03 लखनऊ, बुद्धवार 21 अप्रैल से 27 अप्रैल, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

कोरोना महामारी से मुकाबले के लिए लॉकडाउन का इस्तेमाल “अंतिम विकल्प” : मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने मंगलवार को देश में कोविड–१६ महामारी की ताजा स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन की सराहना की और देशवासियों से उनकी अपील का पालन करने का अनुरोध किया। देश में तेजी से बढ़ रहे कोविड–१६ संक्रमण के ताजा मामलों के बीच प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महामारी से मुकाबले के लिए लॉकडाउन का इस्तेमाल “अंतिम विकल्प” के रूप में होना चाहिए। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के मद्देनजर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने लोगों का जीवन बचाने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों और लोगों की आजीविका को “कम से कम” प्रभावित करने पर जोर दिया और राज्यों से आग्रह किया कि वह श्रमिकों का भरोसा जगाए रखें तथा उन्हें पलायन करने से रोकने के उपाय करें। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की संभावना को भी खारिज किया और साथ ही राज्यों को भी इससे बचने की सलाह दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा, “प्रधानमंत्री ने मर्यादाओं का पालन करने, अनुशासन एवं धैर्य रखने का

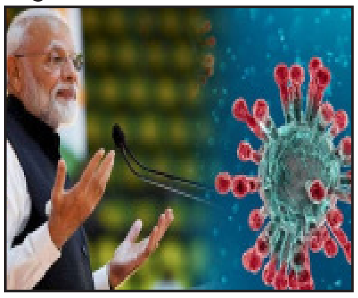

आह्वान किया है। जन–भागीदारी से चुनौती पर विजय प्राप्त होगी। व्यवस्थाओं को मजबूत करने का पूरा प्रयास जारी है। प्रधानमंत्रीजी की अपील का सभी देशवासी अवश्य पालन करें।” भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि बुनियादी ढांचा खड़ा करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान का आरंभ कर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने अपनी सारी ऊर्जा लोगों का जीवन बचाने और अर्थव्यवस्था को बचाने में लगा दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, “अक्सीजन की जरूरतों को पूरा करने से लेकर दवाइयों का उत्पादन बढ़ाने तक प्रधानमंत्री मोदी की सरकार कोविड–१६ से लड़ने के लिए हर कदम उठा रही है। यह हमारे संयुक्त प्रयासों का ही नतीजा है कि इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में हम आज बेहतर स्थिति में हैं।” केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को आश्वस्त किया है कि सरकार अर्थव्यवस्था की सेहत के साथ ही देश के लोगों के स्वास्थ्य में भी सुधार लाएगी। उन्होंने राज्यों से लॉकडाउन को अंतिम विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने का आग्रह किया है और छोटे–छोटे निषिद्ध क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी से लकडाउन से बचने के लिए कोविड–१६ से बचाव के उपायों का पालन करने का आग्रह किया है।

पिछले २४ घंटे में २९,७५४ कोरोना के नए मामले, १६२ और मरीजों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण से १६२ और मरीजों की मौत हो गई जबकि कोविड–१६ के २६,७५४ नये सामले सामने आये। अपर मुख्य्य सचिव स्वास्थ्य व चिकित्सा अमित मोहन प्रसाद ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि पिछले २४ घंटे में १६२ और संक्रमितों की मौत होने के बाद अब तक मरने वाले संक्रमितों का आंकड़ा दस हजार से अधिक हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य्य में अब तक कुल १०,१५६ संक्रमितों ने अपनी जान गंवाई है। अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि पिछले २४ घंटे में २६,७५४ नये मामले आने के बाद राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर ६,०६,४०५ हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय २,२३,५४४ मरीज उपचाराधीन हैं जबकि पिछले २४ घंटे में १४,३६१ से अधिक रोगियों को उपचार के बाद घर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य में ६,७५,७०२ लोग कोरोना वायरस संक्रमण से स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। अमित मोहन प्रसाद के अनुसार राज्य में २,२३,५४४ उपचाराधीन मरीजों में १,७६,७६० पृथकवास में

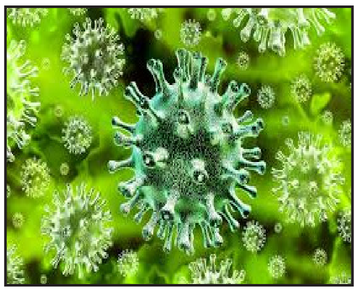

अपना उपचार करा रहे हैं जबकि ४,४५५ का निजी अस्पतालों और बाकी का सरकारी अस्पतालों में उपचार चल रहा है। अपर मुख्य्य सचिव ने बताया कि राज्य में कोविड–१६ के अब तक ३.८६ करोड़ से अधिक नमूनों की जांच की गई है जिसमें सोमवार को दो लाख से अधिक नमूनों की जांच शामिल है।

योगी नें यूपी में जीवन रक्षक दवाओं की कालाबाजारी राकने के लिए छापामार कार्रवाई करने के निर्देश दिए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कोविड–१६ के मरीजों को दी जाने वाली रेमडेसिविर और फैबीफ्लू जैसी जीवनरक्षक दवाओं की कालाबाजारी रोकने के लिए एक विशेष टीम गठित कर छापामार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी ने टीम–११ की बैठक में रेमडेसिविर इंजेक्शन और फैबीफ्लू जैसी जीवनरक्षक मानी जा रही दवाओं की आपूर्ति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने गृह विभाग को सख्त निर्देश दिए इन जीवनरक्षक दवाओं की कालाबाजारी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध गैंगस्टर और रासुका जैसे एक्ट के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने पुलिस महानिदेशक को इस संबंध में एक विशेष टीम गठित कर प्रदेश में छापा मार कार्रवाई के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवनरक्षक दवाओं की निर्बाध आपूर्ति के लिए इनकी लगातार निगरानी की जाए। रेमेडेसीवीर उत्पादनकर्ता कंपनियों से लगातार संपर्क में रहें। इसके अलावा, सभी अक्सीजन रीफिल केंद्रों पर जिम्मेदार अधिकारियों की तैनाती की जाए। यह सुनिश्चित करें कि अक्सीजन का वितरण पारदर्शी ढंग से हो। अक्सीजन टैंकर को जीपीएस से जोड़ा जाए तथा प्लांट्स पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुखद है कि पिछले २४ घंटे में प्रदेश में १४ हजार से भी अधिक मरीज कोविड संक्रमण से ठीक होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेशवासी धैर्य और संयम बनाये रखें। उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं हों अथवा जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता, किसी भी चीज का अभाव नहीं है। कोविड के लक्षण

दिखें तो टेस्ट कराएं, चिकित्सकों के निर्देशों का पालन करें। योगी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में उत्तर प्रदेश में पूर्ण लॉकडाउन लगाने का कोई विचार नहीं है। हमें लोगों के जीवन और जीविका दोनों की ही चिंता है। परिस्थितियों का आकलन करते हुए सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अस्पतालों में खाली बेड्स के बारे में हर दिन जानकारी सार्वजनिक की जाए। इससे मरीजों के परिजनों को काफी सहूलियत होगी। इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की भूमिका इस कार्य मे अत्यंत उपयोगी है। इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। योगी ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल अक्सीजन की कोई कमी नहीं है। अक्सीजन की मांग और आपूर्ति में संतुलन बनाए रखने के लिए सभी अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन का ऑडिट कराया जाना चाहिए। ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ त्वरित और कठोरतम कार्रवाई की जाए। अति गंभीर परिस्थिति को छोड़कर किसी भी इंडिविजुअल व्यक्ति को अक्सीजन की आपूर्ति न की जाए। केवल संस्थागत आपूर्ति ही होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी अक्सीजन रीफिल केंद्रों पर जिम्मेदार अधिकारियों की तैनाती की जाए। यह सुनिश्चित करें कि अक्सीजन का वितरण पारदर्शी ढंग से हो। अक्सीजन टैंकर को जीपीएस से जोड़ा जाए तथा प्लांट्स पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश कथा अन्य राज्यों से आ रहे प्रवासी कामगारों और श्रमिकों की टेस्टिंग करते हुए उन्हें आवश्यकतानुसार क्वारन्टीन एवं चिकित्सा की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। लक्षणविहीन लोगों को न्यूनतम एक सप्ताह और लक्षणयुक्त लोगों को दो सप्ताह के लिए अनिवार्य रूप से क्वारन्टीन किया जाए। इनकी व्यवस्थित निगरानी हो।

सम्पादकीय

अब अस्पतालों के लिए क्यों रो रहे हैं?

जब कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से देश में कोहराम मचा है, तो सोशल मीडिया पर एक तबके की तरफ से ये बात बार–बार कही जा रही है कि अगर देश में लोग मंदिर– मस्जिद के मुद्दे पर वोट डालते हैं तो अब अस्पतालों के लिए क्यों रो रहे हैं? ये बात अपनी जगह गलत नहीं है। लेकिन जहां तक अस्पतालों या स्वास्थ्य सेवाओं की बात है, तो यह कहना एकांगी है। पूरी तस्वीर यह है कि स्वास्थ्य सेवाओं से सरकार ने हटना १९९१ में अपनाई गई नई आर्थिक नीति के बाद ही शुरू कर दिया था। उसके बाद से स्वास्थ्य सेवाओँ का निजीकरण हुआ। स्वास्थ्य सुविधाओं का दूरदराज तक जाल बिछाने के बजाय बीमा से सुरक्षा देना सरकारों की नीति बन गई। इसी नीति पर मोदी सरकार भी आगे बढ़ी है। यह ठीक है कि कोरोना महामारी आने के बाद उसके पास जरूरी इंतजाम करने का वक्त था। लेकिन पिछला एक साल उसने गंवा दिया। नतीजतन, अब देश में कुछ भी काबू में नहीं है। लोग अपने भाग्य भरोसे हैं। जो बच गया, सो बच गया। बहरहाल, जब बात अस्पतालों की होती है, तो ये ध्यान में रखना चाहिए खुद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में ७६.१ फीसदी विशेषज्ञ डक्टरों की कमी है। जबकि ऐसे केंद्रों को ही भारत की ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। यह ३० बेड का अस्पताल होता है। इसमें चार मेडिकल स्पेशलिस्ट– सर्जन, फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ और एक बच्चों का डक्टर होता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे ५,१८३ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ७६.१ फीसदी स्पेशलिस्ट डक्टरों की कमी है। क्या ये कमी एक दिन में हो गई? क्या कभी ये राजनीतिक मुद्दा बना? मीडिया हो या राजनीतिक पार्टियां क्या कभी उन्होंने ऐसे सवालों को प्राथमिकता दी? इसके उलट देश आईडेंटिटी पलिटिक्स में फंसा रहा है। जातीय पहचान से लेकर धार्मिक पहचान की राजनीति लाभदायक बनी रही है। उसका परिणाम शिक्षा क्षेत्र में भी देखने को मिला है। रोजगार का ढांचा भी आज इसीलिए चरमराया हुआ है। अब जब महामारी आई है, तो स्वास्थ्य व्यवस्था और बीमा आधारित नीति की पोल खुल गई है। ये सामने आ गया है कि 'कब्रिस्तान बनाम श्मशान' जैसे मुद्दों पर आधारित किसी देश या समाज को कहां ले जा सकती है।

मुख्तार अंसारी के दबदबे के आगे में मेरी एक नहीं चली: डा. अलका राय

लखनऊ। मुख्तार अंसारी के दबदबे के आगे में मेरी एक नहीं चली, मैने उसके कहने पर ही एंबुलेंस के जाली पेपर बनवाये उसके बाद उसी पेपर के आधार पर एंबुलेंस को कंपनी से निकलवाया था। ये जुर्म मऊ के संजीवनी अस्पताल के संचालिका डा. अलका राय ने गिरफ्तारी होते ही स्वीकार किया है। बाराबंकी पुलिस की गिरफ्तर में आयी अल्का व उसके सहयोगी शेषनाथ ने पुलिस के सामने मंगलवार को मुंह खोला तो कई और भी नाम सामने आये हैं। ऐसे में कुछ और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं, फिलहाल ड अल्का और उसके सहयोगी को पुलिस ने कोर्ट में पेशी के बाद जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी बाराबंकी ने यमुना प्रसाद ने अमृत विचार से बातचीत में बताया कि बाराबंकी में फेक आइडी बनाकर मऊ के श्याम संजीवनी अस्पताल के नाम से अलका राय और उनके सहयोगियों ने एंबुलेंस खरीदकर रजिस्टर्ड कराया था। शेषनाथ एम्बुलेंस खरीद में जमानतदार थे। दोनों की गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है। अलका राय ने अपने बयान में बताया है कि मुख्तार के कहने पर वर्ष २०१३ में फेक आइडी के सहारे एंबुलेंस खरीदा था। जोकि मुख्तार के निजी कार्य में प्रयोग होती थी। अन्य फरार साथियों की तलाश हो रही है। उन्होंने बताया कि अभी गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर कई कुछ अन्य आरोपियों की गिरफ्तार हो सकती है। वहीं पुलिस सूत्रों ने बताया कि विधायक मुख्तार अंसारी

के प्रतिनिधि मुजाहिद की तलाश हो रही है, उसके ठिकानों के बारे में पता भी चला है। बीती ३१ मार्च को जब मुख्तार अंसारी पंजाब की रोपड़ जेल में बंद था तब उसे एक यूपी नंबर की एम्बुलेंस से मोहाली कोर्ट में पेश किया गया था। इस एंबुलेंस पर बाराबंकी का नंबर था। इस मामले में पुलिस का शिकंजा कसते ही मुख्तार के गुर्गे उसे रुपनगर में एक ढाबे के पास लावारिस हालत में छोड़कर फरार हो गए थे। एंबुलेंस का नंबर (यूपी ४१ एटी ७१७१) श्याम संजीवनी हस्पिटल के नाम था, और ये हास्पिटल बीजेपी नेता डॉ अलका राय के नाम पर चल रहा है। इसमें पेपर के नाम पर हस्पिटल का लेटर और डॉक्टर अलका राय का वोटर कार्ड लगाया गया था। इसमें भी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट व मकान का पता फर्जी पाया गया था। जिसके बाद बाराबंकी में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने अब मामले से जुड़े सारे कनेक्शन खोज लिए हैं। एंबुलेंस की जानकारी मिलते ही आरोपियों पर ३६६६२१ धारा–४१६, ४२०, ४६७, ४६८, ४७१ मुकदमा दर्ज किया गा था। पर्यवेक्षण के लिए तीन टीमें गठित की गई थीं। एक टीम विवेचक निरीक्षक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में जिला मऊ भेजी गई थी। दूसरी टीम क्षेत्राधिकारी हैदरगढ़ नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पंजाब गई थी। संपूर्ण विवेचना की निष्पक्ष जांच एवं पर्यवेक्षण के लिए एक एसआइटी का भी गठन किया गया था। मऊ गई टीम को श्याम संजीवनी अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की डा. अलका राय, उनके सहयोगी डा. शेषनाथ राय, मुख्तार अंसारी, मुजाहिद विधायक प्रतिनिधि, राजनाथ यादव व अन्य का नाम इस आपराधिक षड्यंत्र में आया था। जिसमें राजनाथ यादव को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस ने एंबुलेंस प्रकरण में डॉक्टर अल्का राय समेत तीन आरोपियों की गिरफ्तारी की है, इसमें राजनाथ यादव पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था, आरोपियों से पूछताछ में कई और जानकारियां मिली हैं, कोर्ट में पेशी के बाद आरोपियों को जेल भेज गया है।
–युमना प्रसाद एसपी बाराबंकी

बिना मास्क निकले तो लगेगा १० हजार का जुर्माना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोरोना महामारी अधिनियम २०२० में आठवां संशोधन किया है। संशोधान के मुताबिक घर से बाहर बिना मास्क या गमछा के निकलने पर पहली बार पकड़े जाने पर एक हजार रुपये और दोबारा पकड़े जाने पर दस हजार रुपये जुर्माना का प्रावधान किया गया है। मंगलवार को जारी नए आदेश में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अमित मोहन प्रसाद ने यह जानकारी दी। आदेश के मुताबिक किसी व्यक्ति द्वारा किसी सार्वजनिक स्थान पर अथवा घर से बाहर मास्क, गमछा, रुमाल या दुपट्टा ना पहनने पर पहली बार उसे १००० रुपये का जुर्माना देना होगा। अमित मोहन प्रसाद के मुताबिक दूसरी बार बिना मास्क, गमछा, रुमाल या दुपट्टा के पाए जाने पर व्यक्ति को १०००० रुपये का जुर्माना देना होगा। उन्होंने बताया कि किसी व्यक्ति के सार्वजनिक स्थलों पर अथवा घर से बाहर थूकने पर उसे ५०० रुपये के जुर्माना से दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभी हाल में मास्क न पहनने पर पहली बार पकड़े जाने पर एक हजार रुपये और दोबारा पकड़े जाने पर दस गुना ज्यादा जुर्माना लगाने का निर्देश दिया था।

यूपी आने के बाद बाहुबली नेता माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किले बढ़ना तय

लखनऊ। यूपी आने के बाद बाहुबली नेता व माफिया मुख्तार अंसारी की मुश्किले बढ़ना तय है। क्योंकि पंजाब में पेशी के दौरान यूपी के नंबर की जिस एंबुलेंस का इस्तेमाल किया गया था, वह बीजेपी नेता डा. अल्का राय के अस्पताल के नाम थी, इसमें उसके भाई शेषनाथ का भी नाम सामने आया था। बाराबंकी पुलिस ने अब दोनों के गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार की देर रात डा. अल्का राय के घर पुलिस ने छापेमारी की थी जिसके बाद ये गिरफ्तारी हुई है। मंगलवार की सुबह प्रेस कान्फ्रेंस करते हुए एसपी बाराबंकी यमुना प्रसाद ने बताया कि एसआईटी की जांच के बाद ये गिरफ्तारी की गई है। बता दें इस गिरफ्तारी के बाद असल सच सामने लाने में आसानी होगी, क्योंकि डा. अल्का राय लगातार एंबुलेंस अपनी मानने से इनकार कर रही थी। उसके बाद डा. अल्का राय ने मीडिया

को बताया था कि मुख्तार ने एंबुलेंस के पेपर पर जबरन उनसे हस्ताक्षर कराये थे। पुलिस के मुताबिक डा. अलका राय पर फर्जी दस्तावेज के आधार पर एम्बुलेंस का पंजीकरण कराने का आरोप है। दोनों को मंगलवार को कोर्ट में पेश करने के लिए ले जाया रहा है। इस मामले में एक आरोपी राजनाथ यादव की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी ने बताया कि डा. अलका राय ने कहा था कि माफिया डॉन मुख्तार ने जबरन उनसे कागजात पर हस्ताक्षर करवाए थे। अलका राय के बयान के आधार पर बाराबंकी पुलिस ने मुख्तार के खिलाफ साजिश और जालसाजी का मुकदमा दर्ज किया। केस दर्ज होने के बाद बाराबंकी पुलिस ने इस मामले में मऊ की भाजपा नेता डॉक्टर अलका राय के अस्पताल का नाम आने के बाद मऊ जाकर पड़ताल की। इस मामले में मुख्तार के खास राजनाथ यादव को पकड़ा गया। उसकी ओर से कई जानकारी मिलने के बाद अल्का राय व उसके भाई को गिरफ्तार किया गया है। बीती ३१ मार्च को जब मुख्तार अंसारी पंजाब की रोपड़ जेल में बंद था तब उसे एक यूपी नंबर की एम्बुलेंस से मोहाली कोर्ट में पेश किया गया था। इस एंबुलेंस पर बाराबंकी का नंबर था। इस मामले में पुलिस का शिकंजा कसते ही मुख्तार के गुर्गे उसे रुपनगर में एक ढाबे के पास लावारिस हालत में छोड़कर फरार हो गए थे। जांच में पाया गया कि एंबुलेंस (यूपी ४१ एटी ७१७१) श्याम संजीवनी हॉस्पिटल के नाम है, और ये हॉस्पिटल बीजेपी नेता डॉ. अल्का राय के नाम पर चल रहा है। इसमें पेपर के नाम पर हस्पिटल का लेटर और डॉक्टर अलका राय का वोटर कार्ड लगाया गया था। इसमें भी रजिस्ट्रेशन डक्यूमेंट व मकान का पता फर्जी पाया गया था। जिसके बाद बाराबंकी में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने अब मामले से जुड़े सारे कनेक्शन खोज लिए हैं।

अब प्रत्येक शनिवार और रविवार को प्रदेश में लॉकडाउन

लखनऊ। कोविड–१६ के बढ़ते प्रकोप के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने अब प्रत्येक शनिवार और रविवार को प्रदेश में लॉकडाउन (कोरोना कर्फ्यू) लगाने का फैसला लिया है। इसके पहले १५ मई तक पूरे प्रदेश में रविवार को साप्ताहिक पूर्ण बंदी घोषित की गई थी, जिसमें शनिवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक ३५ घंटे का कोरोना कर्फ्यू लागू करने का आदेश दिया गया था। नये आदेश के अनुसार, अब शुक्रवार रात आठ बजे से सोमवार सुबह सात बजे तक कोरोना कर्फ्यू लागू होगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीम–११ के अधिकारियों से कहा कि कोविड–१६ की इस विभीषिका के बीच संयम और धैर्य हमारा सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक शनिवार और रविवार को प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू प्रभावी रहेगा। इसके अलावा जिन जिलों में ५०० से अधिक उपचाराधीन मरीज हैं, वहां हर दिन रात आठ बजे से अगले दिन सुबह सात बजे तक आवश्यक सेवाओं को छोड़कर शेष गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि कोविड–१६ के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राज्य के पांच प्रमुख शहरों में संपूर्ण लॉकडाउन लगाने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सोमवार के आदेश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार

ने देर रात स्पष्ट किया कि वह फिलहाल पूर्ण लॉकडाउन लगाने पर विचार नहीं कर रही है। वहीं, उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को राज्य सरकार को लॉकडाउन लगाने के उच्च न्यायालय के फैसले पर राहत दे दी है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने सोमवार देर रात बताया था, ''प्रदेश सरकार जीवन और जीविका, दोनों को बचाने के लिए कृत संकल्प है। राज्य सरकार ने उपचार के साथ–साथ जो सख्त कदम उठाए हैं, उससे कोविड–१६ के रोकथाम में मदद मिलेगी। इसके दृष्टिगत, प्रदेश सरकार फिलहाल पूर्ण लॉकडाउन लगाने पर विचार नहीं कर रही।'' गौरतलब है उत्तर प्रदेश में संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को प्रदेश सरकार को राज्य के सबसे अधिक प्रभावित पांच शहरों– प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, कानपुर नगर और गोरखपुर में आगामी २६ अप्रैल तक के लिए लॉकडाउन लगाने का निर्देश दिया था। मंगलवार को जारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने टीम–११ से कहा कि कोरोना कर्फ्यू को सफल बनाने में हर नागरिक का योगदान आवश्यक है और जहां तक जरूरी हो, घर से बाहर ना निकलें, पर्व–त्योहार घर पर ही मनाएं और अगर निकलें तो मास्क जरूर लगाएं। महाराष्ट्र, राजस्थान और दिल्ली से प्रवासी जनों की वापसी के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि उनके सुगमता पूर्ण आवागमन की व्यवस्था की जाए। गृह विभाग और परिवहन विभाग समन्वय बनाकर आवश्यक कार्यवाही करें और उनकी जांच और आवश्यकतानुसार उपचार की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''कोविड–१६ से सुरक्षित रहने में टीकाकरण सर्वाधिक कारगर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मई से सभी वयस्कों (१८ साल से अधिक आयु वाले) के टीकाकरण की व्यवस्था लागू की है। उनका यह निर्णय स्वागत योग्य है। टीकाकरण का यह नया चरण कोविड के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक सिद्ध होगा।'' उन्होंने कहा कि लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, वाराणसी, झांसी, गोरखपुर, मेरठ जनपदों सहित प्रदेश के सभी जिलों में कोविड–१६ बेड की संख्या को दोगुना करने की आवश्यकता है और फौरी तौर पर सभी जिलों में २००–२०० बेड का विस्तार किया जाए। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि सार्वजनिक आयोजन में खुले स्थान पर अधिकतम १०० व्यक्ति तथा बन्द स्थान पर अधिकतम ५० व्यक्तियों की सीमा तथा पूर्ण कोविड प्रोटोकॉल के पालन के साथ इजाजत दी गई है। किसी भी धार्मिक स्थल में एक समय में पांच से अधिक लोगों की मौजूदगी पर पाबंदी लगाई गई है। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों तथा हवाईअड्डे पर लोगों की इंफ्रारेड थर्मामीटर तथा पल्स अक्सीमीटर से स्क्रीनिंग तथा लक्षण के आधार पर टेस्टिंग प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार 'टेस्ट, ट्रेस, ट्रीट' के लक्ष्य के साथ कोविड–१६ पर नियंत्रण के प्रभावी प्रयास कर रही है। उपचार व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए प्रदेश सरकार युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। इन तमाम प्रयासों के मद्देनजर संपूर्ण लकडाउन पर सरकार फिलहाल विचार नहीं कर रही है।

बेकाबू हुए हालात, ६७१ संक्रमित, सात की मौत

बरेली। कोरोना संक्रमण जिस रफ्तार से फैल रहा है। उससे लग रहा है कि बरेली के हालात भयावह होने वाले हैं। लोगों की लापरवाही संक्रमण को फैला रही है। संक्रमितों की संख्या ने मंगलवार को अब तक के सभी रिकार्ड धराशायी कर दिये। २४ घंटे के भीतर ६७१ संक्रमित निकलने से अधिकारियों में खलबली मची है। जबकि सात संक्रमित लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बताते हैं कि कुछ लोगों की अभी रिपोर्ट अपडेट नहीं हुई है। रिपोर्ट में बीएसएल लैब प्रभारी डा. जसकरन परिवार समेत संक्रमित निकले है। मृत संक्रमितों में फरीदपुर निवासी ३० वर्षीय प्रशांत सक्सेना की दिल्ली में कोरोना से मौत हुई। वह मीडियाकर्मी थे। गुलाब नगर निवासी ४५ वर्षीय युवक की हालत बिगड़ने पर परिजन निजी

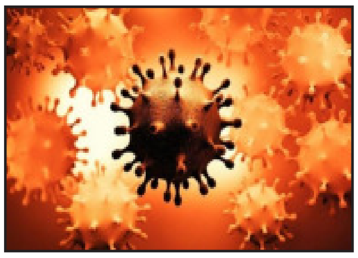

अस्पताल ले गए। जांच के दौरान संक्रमित मिले लेकिन सोमवार को दम तोड़ दिया। वह एक फार्मा कंपनी में कार्यरत थे।नकटिया निवासी युवक की हालत बिगड़ने पर उसे दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। संक्रमित होने पर सोमवार को दम तोड़ दिया। ५३ वर्षीय वृद्ध का इलाज शहर के कोविड अस्पताल में इलाज चल रहा था। वह भी कोरोना से संक्रमित थे। आक्सीजन स्तर गिरने से उनकी मौत हो गई। श्यामगंज निवासी एक ७० वर्षीय वृद्धा की हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें राजेंद्र नगर स्थित निजी अस्पताल ले गए। जांच में संक्रमित पाई गईं। तबीयत बिगड़ने और लगातार गिरते अक्सीजन स्तर गिरने पर उन्हें वेंटीलेटर की जरूरत पड़ी मगर जान नहीं बचाई जा सकी। वृद्धा के बेटे की रिपोर्ट भी पजिटिव आई है। साहूकारा निवासी ५४ वर्षीय वृद्ध की जिला अस्पताल में मौत हुई है।

डीएम ने जिला व तहसील स्तर पर गठित की टीमें

लखीमपुर खीरी। अपर मुख्य सचिव गृह, गोपन, वीजा, पासपोर्ट, कारागार एवं सतर्कता विभाग उप्र

ऑक्सीजन सिलेंडर व कोविड की दवा रेमडेशिविर की कालाबाजारी रोकने व दोषियों के खिलाफ कार्यवाही का चलेगा व्यापक अभियान

शासन व अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था)उप्र द्वारा जारी कोविड–१६ महामारी के दृष्टिगत ऑक्सीजन सिलेंडर व कोविड की दवा रेमडेशिविर की कालाबाजारी प्रभावी तरीके से रोकने व दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु व्यापक अभियान चलाने के प्राप्त हुए हैं। उक्त आशय की डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने जानकारी दी। तत्क्रम में डीएम ने जिले स्तर व तहसील स्तर पर कमेटियों का गठन किया। जनपद स्तरीय कमेटी अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में गठित की। जिसमें सह अध्यक्ष अपर पुलिस अधीक्षक व औषधि निरीक्षक सदस्य बनाए गए। तहसील स्तरीय समिति संबंधित उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित की। जिसमें संबंधित सीओ सर्किल सह अध्यक्ष व तहसील मुख्यालय के प्रभारी चिकित्साधिकारी को सदस्य बनाया।

यूपी में कोरोना संक्रमण की वजह से बैंक के समय में बड़ा बदलाव

लखनऊ। कोरोना संक्रमण से उपजे हालात को देखते हुए बैंकों के समय में भी बदलाव किया गया है। राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) की वीडियो कन्फ्रेंसिंग से हुई बैठक में मंगलवार को अहम निर्णय लिया गया। इसके तहत अब प्रदेश भर के बैंकों का समय सुबह १० से दोपहर २ बजे तक ही रहेगा। मतलब कोरोना काल के दौरान रोजाना महज ४ घंटे के लिए ही लोगों को बैंकिंग सुविधाएं मुहैया हो सकेगी। यह आदेश २२ अप्रैल से लागू होगा और १५ मई तक प्रभावी रहेगा। अगर जरूरत पड़ी तो आदेश को आगे भी जारी रखा जाएगा।राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी के समन्वयक बृजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सुबह १० बजे से दोपहर दो बजे तक के बैंकिंग कार्यकाल के दौरान अभी सिर्फ चार प्रकार की सेवाएं ही मुहैया होंगी। इसके तहत नगद जमा नगद निकासी, चेकों की क्लीयरिंग, रेमिटेंस और सरकारी लेनदेन ही होंगे। शाम ४ बजे बैंक बंद हो जाएगा।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मौजूदा हालात को देखते हुए बैंकों में ५०: कर्मचारियों से ही काम लिया जाएगा। व्यवस्था रोटेशनल मोड में रहेगी।एसएलबीसी समन्वयक बृजेश कुमार ने बताया कि एटीएम कैश लोडिंग वेंडर, कोर बैंकिंग सलूशन प्रोजेक्ट, अफिस इन डाटा सेंटर, डाटा रिकवरी सेंटर, एटीएम बैक ऑफिस, सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर फॉर साइबर सिक्योरिटी, सर्विस ब्रांच, क्लीयरिंग हाउस, बैंक ट्रेजरी ऑफिस, फॉरेक्स बैक ऑफिस एंड स्विफ्ट सेंटर, मुख्यालय समेत अन्य सभी सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होंगी।

प्रसाद ग्रहण कर बाबा से कामना करें

पलियाकलां–खीरी। कोविड–१६ संक्रमण को देखते हुए पंचमुखी बाबा की प्रेरणा से षष्टम वार्षिक उत्सव बाबा की इच्छा तक स्थगित किया जाता है। पंचमुखी हनुमान मंदिर में २३ तारीख को बाबाजी का लगेगा भोग होगा प्रसाद वितरण प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी निघासन रोड मरुआ पश्चिम स्थित दक्षिण मुखी श्री पंचमुखी हनुमान बाबा जी के षष्टम वार्षिकोत्सव अवसर पर दिनांक २३ अप्रैल दिन शुक्रवार प्रातः १०रू१५ पर बाबा जी का भोग लगेगा उपरांत प्रसाद वितरण होगा। जिसमें आप सभी भक्त सादर आमंत्रित हैं अतः सभी भक्तों से निवेदन है दरबार में आकर बाबा का आशीर्वाद एवं भोग प्रसाद ग्रहण कर बाबा से कामना करें। हे बाबा हमारे सभी देशवासियों की रक्षा करो हमसे कोई त्रुटि हुई हो तो हमें क्षमा करो और हमारे देश से इस भयानक कोरोना रूपी महामारी को समाप्त कर सभी प्राणियों का कल्याण करो सभी भक्तों से विनम्र निवेदन है कि मास्क लगाकर ही मंदिर में प्रवेश करें एवं उचित दूरी का पालन करते हुए बाबा का प्रसाद व आशीर्वाद ग्रहण करें।

भारत में कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या १ करोड़ ५३ लाख, अमेरिका-ब्रिटेन समेत बड़े देशों ने भारत को लेकर उठाए कड़े कदम

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण तमाम कोशिशों के बावजूद नहीं रूक पा रहा है। पिछले साल के सभी रिकॉर्ड तोड़ता हुआ लगभग हर राज्य में फैल चुका है। ऐसे में कई राज्यों की स्थिति तो बेहद ही नाजुक हो चली है। हालांकि आंकड़ों के अनुसार बीते २४ घंटे में कोरोना की रफ्तार मामूली सी कम हुई है। पिछले दिन जहां कोरोना के रिकॉर्ड २.७५ लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे वहीं बीते २४ घंटे में ये आंकड़ा २.५६ लाख दर्ज हुआ। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भारत में कुल संक्रमितों की संख्या १ करोड़ ५३ लाख तक पहुंच गई है। भारत में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर दुनिया के अन्य देश भी चिंतित है।

अमेरिका–ब्रिटेन समेत बड़े देशों ने भारत को लेकर कड़े कदम उठाए हैं। देश में भारत में कोरोना के २ लाख ५६ हजार ५६६ नए मामले सामने आए हैं। लेकिन कोरोना से मरने वालों में और भी बढ़ोतरी देखी गई। देश में कोरोना से बीते २४ घंटे के भीतर १७५७ लोगों की मौत हो गई। जहां १० दिन पहले देश में एक्टिव कोरोना केसों की संख्या १० लाख थी, वहीं मात्र दस दिन के अंदर ये संख्या दोगुनी हो गई है। सोमवार को कोरोना के ऐक्टिव केस २० लाख के पार करते हुए कुल २० लाख ३० हजार ७२५ हो गए है। दुनिया में अमरीका के बाद भारत ही ऐसा देश है जहां ऐक्टिव केस २० लाख के पार पहुंचे हैं। अमेरिका ने अपने नागरिकों से भारत की यात्रा नहीं करने के लिए कहा है। अमेरिका ने कहा है कि भारत में जानलेवा कोरोना वायरस फैलता ही जा रहा है, ऐसे में वह अपने नागरिकों की चिंता करता है और उनसे अपील भी करता है कि इन खतरनाक परिस्थितियों में वह भारत की यात्रा करने से बचें। वहीं ब्रिटेन ने भी भारत को रेड लिस्ट में डाल दिया है। इसके तहत गैर–ब्रिटेन और आइरिश नागरिकों के भारत से ब्रिटेन जाने पर पाबंदी रहेगी। साथ ही विदेश से लौटे ब्रिटेन के लोगों के लिए होटल में १० दिन तक क्वारंटीन में रहना अनिवार्य कर दिया है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भी भारतीय यात्रियों पर पाबंदी लगा थी।

स्थानीय कमांडर राज्य के मुख्यमंत्रियों से बात करें और हरसंभव मदद करें : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी से बिगड़े हालातों को देखते हुए सरकार चिंतित है। कोरोना के प्रकोप को कम करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करने में लगी है। ऐसे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आर्मी चीफ से बात कर कहा है कि सेना के स्थानीय कमांडर राज्य के मुख्यमंत्रियों से बात करें और हरसंभव मदद करें। वहीं रक्षा सचिव ने भी देशभर के कैंट बोर्ड अस्पतालों में छावनी से इतर नागरिकों के लिए भी मेडिकल सुविधा देने के निर्देश दिए हैं। राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे, रक्षा सचिव और डीआडीओ प्रमुख से बात की। उन्होंने सभी से कोरोना महामारी के दौरान नागरिकों के लिए सुविधााएं और विशेषज्ञता उपलब्ध कराने को कहा है। देष में पिछले २४ घंटे में एक बार फिर ढाई लाख से अधिक नए मामले सामने आए हैं। कोरोना के चलते देशभर में ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी से हर राज्य में हाहाकार मचा हुआ है। ऐसे में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने कोरोना के हालातों को देखते हुए पूरक अक्सीजन वितरण प्रणाली तैयार की है। जानकारी के अनुसार इसका उपयोग अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात सैनिकों के लिए किया जा सकता है। वहीं कोरोना मरीजों के लिए भी यह विकल्प काफी मददगार साबित होगा। भारत में कोरोना के २ लाख ५६ हजार ५६६ नए मामले सामने आए हैं। लेकिन कोरोना से मरने वालों में और भी बढ़ोतरी देखी गई। देश में कोरोना से बीते २४ घंटे के भीतर १७५७ लोगों की मौत हो गई। दुनिया में अमरीका के बाद भारत ही ऐसा देश है जहां ऐक्टिव केस २० लाख के पार पहुंचे हैं। ऐसे में अस्पतालों में मेडिकल सुविधाओं का अभाव हो गया है। ऑक्सीजन की कमी के चलते मरीज दम तोड़ रहे हैं।

एक जुलाई से केंद्रीय कर्मचारियों का डीए बहाल हो जायेगा, १७ फीसदी से बढ़कर २८ फीसदी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के ५२ लाख कर्मचारियों के लिए डीए बहाली का ऐलान कर दिया है. सरकार के इस कदम से केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में बड़ा इजाफा होगा. सरकार की घोषणा के अनुसार, १ जुलाई २०२१ से केंद्र सरकार के कर्मचारियों के डीए लाभ को बहाल करने जा रही है. ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स डेटा रिलीज के मुताबिक, जनवरी से लेकर जून २०२१ के बीच में कम से कम डीए में ४ फीसदी का इजाफा किया जा सकता है. डीए बहाल होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों का डीए १७ फीसदी से बढ़कर २८ फीसदी हो सकता है. इसमें जनवरी से जून २०२० तक डीए में ३ फीसदी बढ़ोतरी, जुलाई से दिसंबर २०२० तक ४ फीसदी बढ़ोतरी और जनवरी से जून २०२१ तक ४

फीसदी बढ़ोतरी शामिल है केंद्र ने १ जुलाई २०२१ से सभी तीन लंबित डीए किस्तों को दिये जाने की घोषणा की है. कोरोना वायरस महामारी के चलते सरकार ने डीए पर रोक लगा दी थी. डीए बढ़ने से उसी अनुपात में डीआर में भी बढ़ोतरी होगी. महंगाई भत्ते में इजाफा होने से केंद्र सरकार के रिटायर्ड कर्मचारियों का क्मंतदमे त्मसपमा(क्त) भी बहाल कर दिया जायेगा.संभावित डीए बढ़ोतरी केंद्र सरकार कर्मचारी के मासिक पीएफ, ग्रेच्युटी योगदान पर भी असर डालेगी. बता दें सीजीएस के पीएफ और ग्रेच्युटी के योगदान की गणना मूल वेतन प्लस डीए के आधार पर की जाती है. १ जुलाई २०२१ से डीए बढ़ने वाला है, एक कर्मचारी का मासिक पीएफ और ग्रेच्युटी का योगदान में भी इसका असर दिखेगा. इसका मतलब है कि पीएफ और ग्रेच्युटी जैसे रिटायरमेंट–ओरिएंटेड फंड्स में ज्यादा पैसा जमा होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह हुए कोरोना पॉजिटिव इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। भारत में लगातार बेकाबू हुए कोरोना संक्रमण के चलते कई बड़े दिग्गज नेता कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं। अब कोरोना संक्रमण की चपेट में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी आ गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया है। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की जा रही है। आपको बता दें कि एक दिन पहले रविवार को ही देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण से पैदा हुए हालातों को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधाानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था और कोविड–१६ की बेकाबू रफ्तार पर नियंत्रण के लिए पांच अहम उपाय सुझाए थे। पूर्व पीएम ने जोर देकर कहा था कि टीकाकरण कार्यक्रम को विस्तृत किया जाना चाहिए, तभी इस बीमारी पर लगाम लगाई जा सकेगी। पत्र में उन्होंने यह भी कहा कि यह बताने की बजाय कि देश में कितने लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है, यह समझने की आवश्यकता है कि कितने फीसदी लोगों का टीकाकरण किया गया है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के बाद कोरोना संक्रमण अब राजधानी दिल्ली में भी बेकाबू हो चुका है। यहां हर दिन कोरोना के नए मामलों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही है। रविवार को ही दिल्ली में २५४६२ नए कोरोना संक्रमितों के मामले सामने आए और १६१ कोरोना मरीजों की मौत हुई थी। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार के सारे प्रयास विफल हो गए, जिसके बाद केजरीवाल सरकार ने आज सोमवार से एक हफ्ते के लॉकडाउन का भी ऐलान किया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आये कोरोना की चपेट में

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। आये दिन किसी ना किसी के संक्रमित होने की खबर मिलती ही रहती है। इसी क्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। राहुल गांधी ने इस बात की जानकारी ट्वीट कर दी है। उन्होंने कहा है कि **Mild Symptoms** के बाद टेस्ट कराया और वे पॉजिटिव आए। राहुल ने हाल ही में उनके संपर्क में आने वाले लोगों से जरूरी एहतियात बरतने और सभी कोरोना नियमों का पालन करने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट करके उनसे शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। कांग्रेस के युवा नेता सचिन पायलट ने भी ट्वीट किया है और राहुल गांधी के शीघ्र स्वास्थ्यलाभ की कामना की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कोरोना पॉजिटिव आए हैं। इससे पूर्व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह भी कोविड संक्रमित आए थे। वहीं राज्यसभा प्रतिपक्ष के उप नेता आनंद शर्मा भी कोविड से संक्रमित हुए हैं। बीजेपी के नेता और पीएमओ में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह भी कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में खुद के कोविड पॉजिटिव होने की जानकारी दी और कहा कि उनके संपर्क में आए सभी लोग कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने खुद के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी दी है। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को एक ट्वीट में बताया, "कोविड के लक्षण मिलने पर जांच के दौरान पजिटिव होने का पता चला। मैं अपने संपर्क में आने वाले लोगों से जांच कराने और सावधानी बरतने की अपील करता हूं।" बता दें कि इससे पहले केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर, श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष गंगवार और केंद्रीय राज्य मंत्री संजीव बालियान भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। कोविड पॉजिटिव होने के बाद मंत्री वर्चुअल माध्यम से बैठकें आदि जरूरी कार्य निपटा रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा भी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं, इससे पहले कांग्रेस वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी कोरोना वायरस की चपेट में आ गए। कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद शर्मा को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है, फिलहाल शर्मा डॉक्टरों की निगरानी में है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

अद्भुत मंदिरः सफेद चूहों का मंदिर

अमरेन्द्र सहाय अमर

भारत अद्भुत प्रकार के मंदिरों का देश है . यहाँ ऐसे ऐसे मंदिर है जिनके स्थापत्य दुनियां में कहीं नहीं मिलते. जिनकी विचित्रताएं देख अप दांग रह जायेंगे आज हम एक ऐसे ही मंदिर का बारे में बताने जा रहे हैं जो कि सफेद चूहों का मंदिर कहलाता है . जी हाँ हम बात करने जा रहे है करणी माता के मंदिर के बारे में . करणी माता का मन्दिर एक प्रसिद्ध हिन्दू मन्दिर है जो राजस्थान के बीकानेर जिले में स्थित है. इसमें देवी करणी माता की मूर्ति स्थापित है. यह बीकानेर से ३० किलोमीटर दक्षिण दिशा में देशनोक में स्थित है. करणी माता का जन्म चारण कुल में हुआ यह मन्दिर सफेद चूहों का मन्दिर भी कहलाता है. मन्दिर मुख्यतः सफेद चूहों के लिए प्रसिद्ध है. इस पवित्र मन्दिर में लगभग २०००० सफेद चूहे रहते हैं. मंदिर के मुख्य द्वार पर संगमरमर पर नक्काशी को भी विशेष रूप से देखने के लिए लोग यहां आते हैं. चांदी के किवाड़, सोने के छत्र और चूहों के प्रसाद के लिए यहां रखी चांदी की बड़ी परात भी दर्शनीय है. श्रद्धालुओं का मत है कि करणी देवी साक्षात मां जगदम्बा की अवतार थीं. अब से लगभग साढ़े छह सौ वर्ष पूर्व जिस स्थान पर यह भव्य मंदिर है, वहां एक गुफा में रहकर मां अपने इष्ट देव की पूजा अर्चना किया करती थीं. यह गुफा आज भी मंदिर परिसर में स्थित है. मां के ज्योर्तिलीन होने पर उनकी इच्छानुसार उनकी मूर्ति की इस गुफा में स्थापना की गई. बताते हैं कि मां करणी के आशीर्वाद से ही बीकानेर और जोधपुर शहर की स्थापना हुई थी. संगमरमर से बने मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है. मुख्य दरवाजा पार कर मंदिर के अंदर पहुंचते ही चूहों की धमाचौकड़ी देख मन दंग रह जाता है. चूहों की बहुतायत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पैदल चलने के लिए अपना अगला कदम उठाकर नहीं, बल्कि जमीन पर घसीटते हुए आगे रखना होता है. लोग इसी तरह कदमों को घसीटते हुए करणी मां की मूर्ति के सामने पहुंचते हैं. चूहे पूरे मंदिर प्रांगण में मौजूद रहते हैं. वे श्रद्धालुओं के शरीर पर कूद–फांद करते हैं, लेकिन किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते. चील, गिद्ध और दूसरे जानवरों से इन चूहों की रक्षा के लिए मंदिर में खुले स्थानों पर बारीक जाली लगी हुई है. ऐसी मान्यता है कि किसी श्रद्धालु को यदि यहां सफेद चूहे के दर्शन होते हैं, तो इसे बहुत शुभ माना जाता है. नवरात्रि पर्व में लाखो श्रद्धालु मंदिर के दर्शनार्थ आते हैं . करणी मां की कथा एक सामान्य ग्रामीण कन्या की कथा है, लेकिन उनके संबंध में अनेक चमत्कारी घटनाएं भी जुड़ी बताई जाती हैं, जो उनकी उम्र के अलग–अलग पड़ाव से संबंध रखती हैं. बताते हैं कि संवत १५६५ की चौत्र शुक्ल नवमी गुरुवार को माता करणी ज्योर्तिलीन हुईं, तभी से यहाँ श्री करणी माता जी की सेवा पूजा होती चली आ रही है. करणी जी का अवतरण चारण कुल में वि. सं. १४४४ अश्विनी शुक्ल सप्तमी शुक्रवार तदनुसार २० सितम्बर, १३८७ ई. को सुआप यानि जोधपुर में मेहाजी किनिया के घर में हुआ था. करणीजी ने जनहितार्थ अवतार लेकर तत्कालीन जागल प्रदेश को अपनी कार्यस्थली बनाया. करणीजी ने ही राव बीका को जगल प्रदेश में राज्य स्थापित करने का आशीर्वाद दिया था. करणी माता ने मानव मात्र एवं पशु–पक्षियों के संवर्द्धन के लिए देशनोक में दस हजार बीघा ओरण यानी पशुओं के चारा गाह की स्थापना की थी. करणी माता ने पूगल के राव शेखा को मुल्तान जो कि वर्तमान में पाकिस्तान में स्थित है के कारागृह से मुक्त करवा कर उसकी पुत्री रंगकंवर का विवाह राव बीका से संपन्न करवाया था. करणी जी की गायों का चरवाहा दशरथ मेघवाल था. डाकू पेंथड़ और पूजा महला से गायों की रक्षार्थ जूझ कर दशरथ मेघवाल ने अपने प्राण गवां दिए थे. करणी माता ने डाकू पेंथड़ व पूजा महला का अंत कर दशरथ मेघवाल को पूज्य बनाया जो सामाजिक समरसता का प्रतीक है. कहते है करणी माता १५१ वर्ष जिन्दा रहकर २३ मार्च १५३८ को ज्योतिर्लीन हुई थी।

आखिर रुपये वापस करने पड़े समिति के कम्प्यूटर आपरेटर को

कृष्ण कुमार शुक्ला

फूलबेहड़–खीरी। किसान सेवा सहकारी समिति सुंदरवल में अधिकारियों की सरपरस्ती में खुलेआम बिना रिश्वत के कोई काम नहीं किया जा रहा है। किसान नेता से कंप्यूटर अपरेटर में ६२००० इस बात के लिए की आपके पिताजी पर ६२००० समिति का बाकी है। इतनी बात सुनते हुए किसान नेता कमल किशोर मिश्रा ने कंप्यूटर ऑपरेटर अनुज कुमार त्रिवेदी को २००० दे हजार रुपए दे दिए तब कंप्यूटर ऑपरेटर ने बताया कि आज मेरे पास रसीद बुक नहीं है कल परसों आना तब आपको रसीद मिलेगी कई दिनों बाद कमल किशोर मिश्रा २००० रुपए की रसीद लेने अनुज कुमार त्रिवेदी के पास गए तब भ्रष्ट कर्मचारी अनुज कुमार त्रिवेदी आनाकानी करने लगा कमल किशोर मिश्रा का पारा गरम हुआ कंप्यूटर ऑपरेटर २००० जो बतौर घूस वह हजम कर जाना चाह रहा था। वह वापस कर दिए इस बात की पुष्टि मोजमाबाद सहकारी समिति के प्रबंध निदेशक परमानंद तिवारी ने संवाददाता हरिशंकर मिश्र से भी की है और कहा है कि लिखित में मिश्रा जी मुझसे कहेंगे तब हम कार्यवाही करेंगे। मजे की बात है कि इस समिति के जो चेयरमैन है वह इनके बड़े भाई की बहु हैं। अनुज कुमार त्रिवेदी कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति भ्रष्टाचार के दलदल में पूर्व प्रबंध निदेशक कमाल अहमद तथा शंकरलाल एआर मंगल सिंह की कृपा से हुई थी।

भगदड़ के कारण वोट डालने से वंचित रहे कुछ लोग

कृष्ण कुमार शुक्ला

मैगलगंज खीरी। पसगवां ब्लॉक के अमरोलिया ग्राम पंचायत में धीमी रफ्तार से वोटिंग के चलते ६: ०० बजे तक चल रही थी वोटिंग तब भी भीड़ की लाइन लगी हुई थी इसी को तितर–बितर करने के लिए औरंगाबाद चौकी इंचार्ज नितीश भारद्वाज मौके पर पहुंचे और अपने काफिले के साथ वोटरों के ऊपर लाठीचार्ज शुरू कर दिया जिसके चलते निवर्तमान प्रधान छोटेलाल पुत्र खेमन के कई लाठियां लगीं जिससे वह बेहोश होकर वहीं पर गिर गए उनके समर्थकों ने किसी तरह निवर्तमान प्रधान छोटेलाल को प्राइवेट गाड़ी से लादकर मैगलगंज में प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराया जहां से वह स्वस्थ होकर घर पहुंच गए हैं लाठीचार्ज के समय लगभग ३०० वोटर वहां पर लाइन में लगे हुए थे जिनकी भगदड़ मच गई वोट डालने से भी वंचित रह गए भगदड़ मचने से इधर–उधर भागने पर खेतों में लगे कटीले तारों में फंस कर कई वोटर तारों में उलझ कर घायल हो गए हैं अनिल कुमार निवासी ग्राम अमरोलिया कटीले तारों में फंस कर घायल हुए दूसरे सोनपाल पुत्र बालक राम कटीले तारों फंसकर काफी घायल हो गए जिनके १० टांके लगाए गए हैं। चौकी इंचाज का कहना है कि लाठी चार्ज करने की बात सही नहीं है मैं वहां पर गया था झगड़े की सूचना मिली थी तो थोड़ा बल प्रयोग किया गया था सबको समझा–बुझाकर शांत करा दिया गया था।

पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच रखी गईं मतपेटियां

पलियाकलां–खीरी। मतदान के बाद प्रशासन ने सभी मतपेटियों को मंडी समिति में पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रूम में रखवा दिया है। मतपेटियों को नवीन मंडी स्थल के परिसर में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखा गया है। सुरक्षा को लेकर वहां पर पुलिस कर्मियों का तगड़ा पहरा लगाया गया है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद हो गया है। मतदान के बाद सोमवार को देर रात तक ब्लक के स्ट्रांग रूम में मतपेटियां जमा की गईं। मतपेटियों को नवीन मंडी स्थल के परिसर में बनाए गए ०६ स्ट्रांग रूमों में रखा गया है। सीओ राजेश कुमार व कोतवाल सुनिल कुमार सिंह द्वारा दिन में लगातार कई–कई बार स्ट्रांग रूम की सुरक्षा का जायजा लिया जाता है। जहां पर सुरक्षा में तैनात सिपाही पूरी तरह से अलर्ट नजर आए। सुरक्षा के लिए अलग–अलग समय पर पहरा बदलकर ड्यूटी दी जा रही है। सुरक्षा हेतु स्ट्रांग रूम पर पुलिस का कड़ा पहरा लगा दिया गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरा भी लगाया गया है। जिसमे हर पल की रिकर्डिंग कैद हो रही है। मतगणना वाले दिन ०२ मई को मतपेटियों को मतगणना स्थल के पंडाल पर पहुंचाया जाएगा।

पीठासीन के अचानक गायब होने से ग्रामीणों ने किया बवाल

कृष्ण कुमार शुक्ला

मैगलगंज खीरी। पसगवां के खखरा ग्राम पंचायत में चुनाव खत्म होने के बाद में उस वक्त बड़ा हड़कंप मच गया। जब पीठासीन बिना किसी को सूचित किए ही बक्सा सील करने के पष्चात अपने प्राईवेट वाहन से मतपेटी जमा करने के लिए निकल गया। जैसे ही यह जानकारी ग्रामीणों को हुई, तुरंत ग्रामीणों ने मौके पर ही हंगामा काटना शुरू कर दिया आनन–फानन में सेक्टर मजिस्ट्रेट समेत जिम्मेदार चुनाव अधिकारी मौके पर पहुंचे प्रधान प्रत्याषियों की बगैर अनुमति मत पेटी ले जाने से नाराज हुए थे वोटर सहित प्रधान प्रत्याषी पोलिंग बूथ पर ही काटा था हंगामा मौके पर पहुंचे चुनाव के आला अधिकारी एसडीएम सहित अधिकारियों ने मान मनौवल षुरू की १:०० बजे के बाद षांत हुआ मामला मैगलगंज न्याय पंचायत के प्राथमिक विद्यालय खखरा में मतदान समाप्ति के बाद बक्से को सील कर पीठासीन के द्वारा अपने प्राइवेट वाहन से बिना किसी को सुचित लारे। अचानक मत पेटी से भरा बक्सा लेकर चले गए। ग्रामीणों को जैसे ही प्राइवेट वाहन से मत पेटी का बक्सा ले जाने की खबर हुई मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने हंगामा काटना षुरू कर दिया। सूचना पर पहुंचे सेक्टर मजिस्ट्रेट ने स्थिति संभालने की कोषिष की लेकिन ग्रामीण दोबारा चुनाव को लेकर अपनी बात पर डटे रहे। स्थिति बिगड़ते देख मौके पर पहुंचे उप जिलाधिकारी, मितौली क्षेत्राधिकारी मितौली ने ग्रामीणों को समझाने की भरसक कोषिष की, लेकिन ग्रामीण जिला अधिकारी को मौके पर बुलाने वह दोबारा चुनाव कराने की मांग कर रहे थे काफी देर समझाने के बाद भी ग्रामीणों उग्रता पर उतारू भारी भरकम पुलिस फोर्स मौके बुला लिया गया आखिरकार देर रात्रि एसडीएम के कड़े तेवर देख ग्रामीणों ने विद्रोह बंद किया और अपने अपने घर रवाना हो गए। इस बाबत क्षेत्रीय लेखपाल राणा का कहना है कि पीठासीन अपनी बाइक पर मतपेटी लेकर जमा करने के लिए चला गया था। ग्रामीणों समझा कर षांत कर दिया गया है तथा संबंधित पीठासीन के विरुद्ध कागजी कार्यवाही भी होने की बात कही।

बाइक सवार लुटेरों ने लकड़ी ठेकेदार से ११ हजार लूटे

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर पतरासी मार्ग पर तेतारपुर के पास बाइक से घर लौट रहे लकडी ठेकेदार को बाइक सवार बदमाशों ने जबरन रोक कर ११ हजार रुपये लूट लिये। पुलिस से शिकायत करने पर जान से मार डालने की धमकी देते हुए बदमाश मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने फूलबेहड़ कोतवाली में लूट की वारदात की तहरीर दी है, लेकिन पुलिस ने अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। मिली जानकारी के अनुसार थाना व कस्बा फूलबेहड़ निवासी निसार अली का बेटा जैनुल लकडी की ठेकेदारी का काम करता है। बीते दिन जैनुल अपने मामा से रुपये लेने अपने ननिहाल बेचेपुरवा गांव गया था। जहां से वह देर शाम बाइक से घर लौट रहा था। बताते हैं कि जैसे ही वह खइयां पुलिस पिकेट से आगे तेतारपुर गांव की ओर बढा कि तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे ओवरटेक कर जबरन रोक लिया तथा जान से मार डालने की धमकी देते हुए उसके पास मौजूद ११ हजार रुपये की नगदी लूट की और मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद पीड़ित ठेकेदार जैनुल ने महेवागंज पुलिस को सूचना दी, लेकिन महेवागंज पुलिस ने उसे फूलबेहड़ थाना क्षेत्र की घटना बता पल्ला झाड़ लिया। तब पीड़ित ने फूलबेहड़ कोतवाली पहुंच एक बदमाश को नामजद करते हुए तहरीर दी, लेकिन फूलबेहड़ पुलिस ने अभी तक पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज नही की है। पीड़ित ठेकेदार जैनुल ने बताया कि लूट के दौरान एक बदमाश ने उसे धमकाते हुए कहा था कि तुम शमशेर को बहुत दन्ड दिला रहे हो, जिसके चलते उसे शक है कि उसके साथ लूट करने वाले शमशेर के ही साथी है।

ग्राम पंचायत चुनाव के बीते दिन हुआ रात के अंधेरे में खूनी संघर्ष

लखीमपुर खीरी। चुनावी रंजिश के चलते विपक्षियों ने घर में घुसकर लाठी डंडा बांका व तमंचा से लेश होकर बोला जानलेवा हमला निघासन खीरी। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत बम्हनपुर के कंधई लाल पुरवा में चुनावी रंजिश के चलते विपक्षी १– रमाकांत २– सोनू ३– मोहित ४–रोहित पुत्रगण श्याम लाल ने शत्रोहन लाल के घर में घुसकर लाठी डंडा बांका व तमंचा से लेश होकर बोला जान लेवा हमला जिससे हमला में घायल हुए १–लालता प्रसाद २– बृज किशोर पुत्र शत्रोहन लाल को इलाज के लिए प्राईवेट गाड़ी से तुरंत निघासन चिकित्सालय भेजा गया जहां इलाज जारी वहीं लालता प्रसाद कि हालात गंभीर बताई जा रही जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं विपक्षीगण बराबर पीड़ित परिवार को जान से मार देने की घमकी दें रहे हैं बोल रहे हैं आप लोगों ने मेरे खिलाफ पुलिस में शिकायत कि तो दुबारा रात में हमला बोल जान से मार देंगे पीड़ित परिवार काफी डरा हुआ है विपक्षी कभी भी किसी समय हमला बोल सकता है। घायल की हालात गंभीर बताई जा रही है।

कोरोना गाइडलाइंस का नहीं हो रहा पालन

लखीमपुर खीरी। कस्बा खीरी में सरकारी गाइडलाइंस का पालन नहीं हो रहा है । खीरी में बिना मास्क के ही लोग घूमते नजर आते हैं। खीरी चौकी पुलिस सिर्फ बाइक पर आने जाने वाले लोगों को ही चेक करती है मास्क यहां तक कस्बे से लखीमपुर जाने वाले अटो रिक्शा व ई रिक्शा चालकों और सवारिया नहीं लगाते हैं मास्क कस्बा खीरी के मुख्य चौराहे से लेकर के अंदर मेन बाजार तक त्यौहार के मद्देनजर काफी भीड़ होती है लेकिन अधिकांश लोग मास्क का प्रयोग नहीं करते बिना मास्क के ही घूमते नजर आते कस्बा खीरी में ही नहीं पूरे देश में कोविड–१६ जैसी महामारी फैली हुई है लेकिन कस्बा खीरी के लोगों पर कोई असर नहीं दिख रहा है कस्बा खीरी में हो रहे लगातार मौतों से कस्बा खीरी के लोग दहशत में है नगर पंचायत प्रशासन भी मौन धारण किए हुए हैं वही खीरी पुलिस प्रशासन भी सिर्फ चौकी खीरी के सामने बिना मास्क लगाए लोगों का चालान करती नजर आती है लेकिन कस्बा खीरी के मुख्य बाजार में घूम रहे हैं बिना मास्क लगाए लोगों के ऊपर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।

५५ घर जल कर राख में तब्दील

पलियाकलां–खीरी। तहसील पलिया की ग्राम पंचायत भगवंतनगर गुलरा में अचानक अज्ञात कारणों से एक घर से लगी आग की चपेट में आने से आसपास के ५५ घर जल कर राख में तब्दील हो गए। आग के कारण ग्रामीणों ने मतदान बंद किए जाने की मांग की। जिसके बाद पुलिस ने सखती दिखाई और मतदान कराया। मझगईं इलाके के भगवंतनगर गुलरा निवासी छविनाथ के घर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप् धारण कर लिया। आग की लपटों ने तेजी, रामस्वरूप, प्रभुदयाल, महादेव, श्याम बाबू हरफूल, गौतम, बलवीर, सरवन, मुन्नालाल, अटल व मोहित के घरों को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे सभी का घरेलू सामान जलकर राख हो गया। तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने बताया कि आग की वजह से ५५ घर जल गए है। जिसमें एक गाय की झुलसकर मौत हो गई। इस दौरान चल रहे पंचायत चुनाव में ग्रामीणों ने मतदान करने से मना कर दिया जिसके बाद प्रशासन द्वारा समझाकर मतदान पूर्ण कराया गया। वहीं प्रशासन द्वारा पीड़ितों को राशन किट उपलब्ध कराई गई है। जिसमें त्रिपाल, १० किलो आंटा, ०५ किलो चावल, ०१ किलो दाल, आधा किलो तेल, नमक, मिर्चा हल्दी व बिस्कुट पैकेट दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ कोटेदारों द्वारा अपनी तरफ से अग्नि पीड़ित परिवारों को राशन किट दी गई हैं। आग की सूचना पर पहुंचे एसडीएम डॉ अमरेश कुमार, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, सीओ राजेश कुमार, इंस्पेक्टर पलिया सुनील कुमार सिंह ने मौका मुआयना कर मदद का आश्वासन दिया है। पलिया कला खीरी। तहसील पलिया के ग्राम भगवंत नगर में कल लगी भीषण आग में आज एक समाजवादी प्रतिनिधिमंडल पूर्व ब्लाक प्रमुख पलिया गुरप्रीत सिंह जार्जी के नेतृत्व में भगवंत नगर पहुंचा। प्रतिनिधि मंडल ने अपने स्तर से लोगों की मदद की तथा गुरप्रीत सिंह जार्जी लोगों को आश्वासन दिलाया कि प्रशासन से आपको हर संभव मदद दिलवाई जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष फुरकान अंसारी निवर्तमान नगर अध्यक्ष जीएस वालिया वरिष्ठ समाजवादी बराती लाल चौहान पूर्व जिला सचिव राजा खान रवि अहमद बच्चू लाल आदि मौजूद रहे।

कोविड सेंटर हेतु विधायक ने जताई गंभीर चिंता, लिखा अधिकारियों को पत्र

गोला गोकर्णनाथ–खीरी। गोला विधायक अरविंद गिरि ने वैश्विक महामारी कोविड से बचाव हेतु व कोविड मरीजों के स्वास्थ्य की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए जिले के उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर अपनी चिंता व्यक्त की है। अपने पत्र में उन्होंने उच्चाधिकारियों को संबोधित करते हुए लिखा है कि जितनी जल्दी हो सके गोला तहसील क्षेत्र में ही कोविड मरीजों के लिए तत्काल कोविड सेंटर की व्यवस्था प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जाए। जिसमें हर तरह की सुविधाएं पूर्णतया उपलब्ध हों। ताकि को कोविड से पीड़ित गोला क्षेत्र के किसी भी मरीज को अनावश्यक कष्ट न उठाना पड़े।

शिखर हॉस्पिटल कोविड चिकित्सालय के रूप में नामित डीएम ने दी अनुमति

लखीमपुर खीरी। जिले में कोविड–१६ वैश्विक महामारी के बढ़ते प्रकोप एवं निरंतर संक्रमित हो रहे मरीजों की भारी संख्या के ष्टिगत शिखर हॉस्पिटल राजापुर मंडी गेट के निकट लखीमपुर खीरी को तत्काल प्रभाव से कोविड–१६ से संक्रमित मरीजों के इलाज हेतु कोविड–१६ चिकित्सालय के रूप में नामित करते हुए इलाज करने की डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने अनुमति प्रदान की। बताते चलें कि शिखर हॉस्पिटल लखीमपुर खीरी के संचालक राहुल अग्रवाल द्वारा शिखर हस्पिटल को कोविड–१६ संक्रमित मरीजों का इलाज किये जाने की अनुमति प्रदान किए जाने का अनुरोध किया था। सीएमओ डॉ मनोज अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सा अनुभाग, उप्र शासन के विभिन्न शासनादेशों में दी गई शर्तों व नियमों का अस्पताल प्रशासन द्वारा पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। एकीत कोविड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर लखीमपुर खीरी द्वारा भेजे जाने वाले मरीजों को तत्काल भर्ती करते हुए उनका इलाज सुनिश्चित किया जाए।बताया कि प्रत्येक दशा में इलाज की गुणवत्ता व कोविड–१६ प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए एवं नियमों के उल्लंघन की दशा में विधिसंगत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी

सामानों की ब्लैक मार्केटिंग शुरू

मैगलगंज–खीरी। लाक डाउन सुनते ही कालाबाजारी करने वाले गुटखा व्यापारी सक्रिय हुए और कमला पसंद सहित तमाम गुटखा व तंबाकू अधिक दामों पर बिकना शुरू हो गई। २४ घंटे के अंदर जिले भर में हर एक पैकेट पर ४० से लेकर ६० की कालाबाजारी शुरू कर दी गई है जहां एक तरफ पूरा देश महामारी से जूझ रहा है वही मैगलगंज में बेखौफ कालाबाजारी करने वाले महामारी में भी अवसर ढूंढ रहे हैं। इस कालाबाजारी की भनक अभी तक शायद जिला प्रशासन को नहीं है। क्या मैगलगंज के कोतवाली इंस्पेक्टर कर पाएंगे इन कालाबाजारी करने वालो पर कानूनी कार्यवाही या फिर ऐसे ही डालते रहेंगे गरीबों की जेब पर डाका

उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में लॉकडाउन नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित पांच शहरों में १६ अप्रैल की रात से लॉकडाउन के इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्देश पर देश की शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्देश पर तत्काल रोक लगाने के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार से कोरोना वायरस संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए सभी कदम की दो हफ्ते में रिपोर्ट भी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार से कहा आप इलाहाबाद हाई कोर्ट के ऑब्जर्वेशन को ध्यान दें, फैसले पर हम रोक लगा रहे हैं।इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के कारण उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में स्थिति बदतर होते देख लखनऊ, कानपुर शहर, प्रयागराज, वाराणसी तथा गोरखपुर में लॉक डाउन का निर्देश दिया था। इसके विरोध में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। एसजी तुषार मेहता ने उत्तर प्रदेश सरकार की अपील पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया था।हाई कोर्ट के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट का यह निर्देश कार्यपालिका के क्षेत्र में अतिक्रमण है। सरकार कोरोना वायरस के संक्रमण काल में बेहतर से बेहतर करने का प्रयास कर रही है। अगर सरकार को लगता है कि बिना लॉकडाउन के बात नहीं बनेगी तो लकडाउन भी होगा। जैसा पहले भी किया गया था।इससे पहले दिन पर दिन बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में १६ अप्रैल की रात से सात दिन के लिए लकडाउन के निर्देश पालन का इनकार करने वाली योगी आदित्यनाथ सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में २६ अप्रैल तक लकडाउन का निर्देश दिया था।न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अजित कुमार की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश के पांच शहरों में बेहद खतरनाथ ढंग से बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए लखनऊ, कानपुर नगर, प्रयागराज, वाराणसी व गोरखपुर में १६ अप्रैल की रात से २६ अप्रैल तक आवश्यक सेवा को छोड़कर लॉकडाउन का निर्देश दिया था।योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रवक्ता ने हाई कोर्ट के इस निर्देश को मानने से सरकार के साफ इनकार करने के निर्णय के साथ ही अवगत कराया कि सरकार लॉकडाउन को लेकर बेहद गंभीर है। लोग स्वेच्छा से जगह–जगह पर प्रतिष्ठान व बाजार बंद कर रहे हैं। इसके साथ ही सरकार ने इन पांच शहरों के साथ अन्य दस जगह पर रात आठ बजे से अगली सुबह सात बजे तक नाइट कर्फ्यू लगा रखा है।सुप्रीम कोर्ट से आज ही उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को स्थगित करने को लेकर दायर की गई याचिका पर भी आज सुनवाई हो सकती है। यह याचिका सोमवार को दाखिल की गई थी।

शिया वक्फ बोर्ड बोर्ड के चुनाव में मतदान के दौरान वसीम व अशफाक के बीच झड़प

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के आज होने वाले चुनाव को लेकर प्रदेश में माहौल काफी गरम है। लखनऊ में इंदिरा भवन के आठवें तल पर कड़ी सुरक्षा में चल रही मतदान प्रक्रिया के दौरान निवर्तमान अध्यक्ष वसीम रिजवी और अशफाक के बीच में जोरदार झड़प हो गई। मुतवल्ली कोटे के दो सदस्य पदों पर छह प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। कड़ी सुरक्षा के बीच चल रहे मतदान के दौरान वसीम रिजवी और अशफाक हुसैन उर्फ जिया के बीच जोरदार झड़प हो गई। इनके बीच गाली–गलौज के बाद वसीम रिजवी के गनर को मौके से हटाया गया है। यहां मुतवल्ली कोटे से सदस्य पद के प्रत्याशी अशफाक हुसैन उर्फ जिया तथा वसीम रिजवी अन्य चार के

साथ प्रत्याशी हैं। इनके बीच झड़प के बाद सदस्य के प्रत्याशी का चुनाव कुछ देर के लिए बाधित हुआ था। वहां पर वोटर और प्रत्याशी के अलावा किसी को भी जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन वसीम रिजवी के गनर वहां पर थे। मतदान के दौरान अभी कुल ३६ में से २६ वोट पड़ चुके हैं।उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड चुनाव में मुतवल्ली कोटे के दो पदों के लिए छह प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। रविवार को एक प्रत्याशी सैयद जफर रिजवी ने अपना नाम वापस ले लिया था। दो पदों के लिए ३६ लोगों को मतदान करना है। देर शाम तक इसका परिणाम भी आ जाएगा। शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चुनाव के लिये मुतवल्ली कोटे के दो सदस्यों के पद के लिए सात लोग भाजपा नेता सय्यद फैजी, वक्फ बोर्ड के पूर्व चौयरमैन वसीम रिजवी, सैयद आसिम रिजवी, सैयद मुजाहिद हुसैन रिजवी, सैयद मुशर्रफ हुसैन रिजवी, अशफाक हुसैन उर्फ जिया और सैयद जफर रिजवी ने नामांकन किया था। रविवार को नाम वापसी का समय पूरा होने के बाद एक दावेदार सैयद जफर रिजवी ने अपना नाम वापस ले लिया। अब दो पदों के लिए छह प्रत्याशियों के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। सांसद कोटे में दो सदस्य पदों के लिए सिर्फ पूर्व सांसद रामपुर की बेगम नूर बानो ने नामांकन किया है। ऐसे में नूर बानो का सदस्य पद पर निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। विधान मंडल कोटे से दो सदस्य पद के लिए भी किसी ने भी नामांकन नहीं किया। यहां शिया समुदाय के विधान परिषद में मात्र दो सदस्य राज्यमंत्री मोहसिन रजा और बुक्कल नवाब ही है। मोहसिन रजा मंत्री है लिहाजा वह बोर्ड के सदस्य नही बन सकते। ऐसे में सरकार बुक्कल नवाब को नामित कर सकती है। बार काउंसिल में भी शिया समुदाय से कोई सदस्य नही है। इस कोटे में दो पदों पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नामित किया जाएगा। इसके अलावा राज्य सरकार शिया समुदाय के एक मौलाना, एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक पीसीएस रैंक के शिया मुस्लिम अधिकारी को नामित करेगी। बोर्ड के यह सदस्य अपने बीच से चौयरमैन का चुनाव करेंगे। सैय्यद जकी हुसैन, वसीम रिजवी, इब्ने हसन आब्दी, मौलाना सैयद कल्बे जव्वाद नकवी, किश्वर जहां, असद अली खां, सैय्यद आसिम रिजवी, सैय्यद नदीम अब्बास, नजमा हसन, रियासत अली, अब्बास अमीर, मुनीर आलम, मोहम्मद जव्वाद अली, सैय्यद फैजी और मंसूर आलम (लखनऊ), सैय्यद अतहर अब्बास जैदी (सहारनपुर), सैय्यद अजादार हुसैन उर्फ चुन्ना(आजमगढ़), सैय्यद नवाब इम्तियाज हुसैन(कानपुर नगर), सैय्यद गौहर आलम रिजवी उर्फ बब्बा(उन्नाव), सैय्यद हुसैन नासिर सईद अबाकाती, मोहम्मद अहमद व सैय्यद जफर रिजवी (आगरा), सैय्यद मुजाहिद हुसैन (बिजनौरध लखनऊ), सैय्यद मुर्शरफ हुसैन रिजवी(उन्नावध्लखनऊ), अहमद अब्बास (लखनऊध्बाराबंकी), शोएब जाफर उर्फ फखरी (मेरठ), सज्जाद अली उर्फ गुज्जन व सैय्यद एजाज हुसैन(वाराणसी), डॉक्टर मिर्जा शहाब शाह व अशफाक हुसैन उर्फ जिया(वाराणसी), गुलरेज हैदर रिजवी (मुरादाबाद), सैय्यद हादी रजा सैय्यद वली हैदर(अमरोहा), सैय्यद अलमदार हुसैन(अम्बेडकर नगर),मेंहदी रजा (प्रयागराज) और मोहम्मद असकरी (बरेली)।

सरकारी सिस्टम हाथी की मदमस्त चाल, आदेश के बाद भी बलरामपुर में नहीं बढ़े एक भी बेड

लखनऊ। कोरोना संक्रमण से गंभीर मरीजों की जान जा रही है। एक–एक पल उनके लिए जिंदगी और मौत का फैसला कर रहा है। मगर सरकारी सिस्टम हाथी की मदमस्त चाल से ही चल रहा है।

कोरोना मरीज अभी भी भर्ती नहीं पाने से दम तोड़ रहे हैं। उधर सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेश के बावजूद केजीएमयू व बलरामपुर में बेड बढ़ाने की कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित है। अभी तक एक तरफ जहां केजीएमयू में सिर्फ कुछ वार्ड को खाली कराने की कार्रवाई हुई है। वहीं बलरामपुर अस्पताल ने आक्सीजन सिलिंडर नहीं होने से बेड बढ़ाने से हाथ खड़े कर दिए हैं।केजीएमयू के प्रवक्ता सुधीर सिंह ने बताया कि ट्रामा सेंटर के भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल व न्यूरो मेडिसिन वार्ड, प्राइवेट वार्ड, इंफेक्शियस डिजीज, जनरल सर्जरी वार्ड समेत कई अन्य को कोविड मरीजों के लिए खाली कराया गया है। उन्होंने बताया कि यहां भर्ती होने वाले मरीजों को आक्सीजन व वेंटीलेटर सपोर्ट मिलेगा। सरकार से अतिरिक्त वेंटिलेटर मांगे गए हैं। हालांकि इसमें कितने बेड बढ़े हैं यह जानकारी देने में उन्होंने असमर्थता जताई। मरीजों की भर्ती होने के सवाल पर कहा कि वह भर्ती होने लगे हैं। सोमवार को भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या पूछने पर उन्होंने इसकी जानकारी होने से इंकार कर दिया। इससे समझा जा सकता है कि सिस्टम सुस्त चाल से ही चल रहा है। इधर अभी भी भर्ती व बेड के लिए मरीज परेशान हो रहे हैं। वहीं बलरामपुर अस्पताल के प्रभारी डा. जीपी गुप्ता ने कई बार फोन करने के बाद भी कोई जवाब नहीं दिया। बेड के इंतजार में मरीज की मौतरू लखनऊ निवासी राधा राठौर की हालत कोविड पजिटिव होने के बाद बेहद गंभीर हो गई थी। परिवार के लोग कई दिनों से भर्ती के लिए गुहार लगा रहे थे।जानकीपुरम स्थित एक निजी अस्पताल ने उन्हें तत्काल केजीएमयू या एसजीपीजीआइ ले जाने की सलाह दी थी। मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। तीन दिन पहले कहा गया कि आपको पीजीआइ भेजा जा रहा है। मगर उसके ४८ घंटे बाद भी न तो एंबुलेंस आई और न ही भर्ती संबंधी कोई कागज। लिहाजा मरीज ने दम तोड़ दिया। सीएमओ डा. संजय भटनागर को फोन करने पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

यूपी में १८ वर्ष से अधिक आयु वालों का होगा निशुल्क वैक्सीनेशन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज सम्पन्न मंत्रिमण्डल की वर्चुअल बैठक में ०१ मई, २०२१ से १८ वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्तियों को कोविड टीकाकरण सुविधा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि बेहतर कोविड प्रबंधन के साथ–साथ व्यापक टीकाकरण कार्य कोरोना को परास्त करने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इसके दृष्टिगत प्रदेश सरकार ने १८ वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों का निशुल्क वैक्सीनेशन कराने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार अपने संसाधनों से टीकाकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाएगी। विचार–विमर्श के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि टीकाकरण अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग कार्य योजना बनाकर कार्य करे। हमें वैक्सीनेशन सेन्टर बढ़ाने होंगे, लक्षित आयु वर्ग के लोगों का डेटा बेस तैयार करना होगा। साथ ही वैक्सीन की डोज की आवश्यकता का आंकलन कर उत्पादकों से इसकी सुचारू आपूर्ति के प्रबंध भी करने होंगे। उन्होंने टीके के के लिए कोल्ड चेन सहित सुरक्षित स्टोरेज एवं ट्रांपोर्टेशन के लिए भी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मंत्रिमण्डल की बैठक में कोविड १६ की स्थिति के संबंध में गहन विचार–विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोरोना की इस वेव में भी जीवन और आजीविका, दोनों को बचाने के लक्ष्य के साथ काम कर

रही है। कोविड के खिलाफ जंग को आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में पूरी मजबूती से लड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी प्रभारी मंत्री अपने–अपने प्रभार वाले जनपद में कोविड उपचार की स्थिति पर नजर रखें और स्थानीय प्रशासन का मार्गदर्शन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जनपद में कोविड बेड की संख्या को दो गुना करना, ऑक्सीजन की अनवरत आपूर्ति, रेमडेसिविर सहित सभी जीवन रक्षक दवाओं की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किये जा रहे है। प्रभारी मंत्री इन कार्यों के अनुश्रवण के साथ साथ, एम्बुलेंस संचालन तथा इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेन्टर की स्थिति को भी देखें। मास्क के अनिवार्य उपयोग, कोविड से बचाव हेतु जागरूकता, क्वारंटाइन सेन्टर का संचालन आदि पर जिला प्रशासन को मंत्रीगण आवश्यक दिशा निर्देश दें। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता एवं सेनेटाइजेशन के अभियान पर जोर देते हुए निगरानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री द्वारा प्रत्येक जनपद में क्वारंटीन सेन्टर संचालित करने के निर्देश दिये हैं, ताकि बाहर से आ रहे नागरिकों को राहत प्रदान की जा सके। उन्होंने पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में जन–जागरुकता के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री द्वारा यह विश्वास व्यक्त किया गया है कि जनता को जागरुक करते हुए तथा अफवाहों से बचाते हुए प्रदेश में विगत वर्ष की भांति वैश्विक महामारी कोरोना के नियंत्रण में सफलता प्राप्त की जा सकेगी।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली

विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र

क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289

मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

सलमान खान राखी के लिए बने उनके बजरंगी भाईजान

मुम्बई। सलमान खान एक बार फिर बजरंगी भाईजान बने है। सलमान खान २०१५ में आयी अपनी फिल्म में तो बजरंगी भाईजान बने ही थे। लेकिन अब सलमान असल जिंदगी में भी किसी के लिये बजरंगी भाईजान बन गये है। राखी सावंत की मां पिछले कुछ समय से कैंसर से जूझ रही है। ऐसे वक्त में सलमान खान मे राखी की मां का इलाज और ऑपरेशन का सारा खर्चा उठाकर राखी के लिए बजरंगी भाईजान बने है। राखी की मां जया सावंत अभी अस्पताल में भर्ती है। राखी ने अस्पताल से मां के साथ एक वीडियो बनाकर शेयर किया है। जिसमें दोनों सलमान खान को धन्यवाद कह रही हैं। ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है।सलमान खान इंडस्ट्री में मदद के लिए जाने जाते है। भाईजान गरीबों की मदद करते रहते है। राखी ने इस वीडियो के जरिए सलमान खान को धन्यवाद कहा है। सलमान खान ने राखी की मां के पूरे इलाज के साथ मेजर अपरेशन का भी खर्च उठाया है। इस वीडियो में राखी सलमान को मसीहा बता रही हैं। वीडियो में राखी मां भी सलमान को दुआ दे रही हैं। सलमान राखी की मां का इलाज एक नामचीन कैंसर डॉक्टर संजय शर्मा से करा रहे हैं।राखी की मां जया सावंत कुछ समय से कैंसर से लड़ रही है। राखी की मां को बार–बार हस्पिटल जाना पड़ता है। अभी राखी की मां का ऑपरेशन होना है। इसलिए वे अस्पताल में भर्ती है। राखी की मां इस अपरेशन के बाद ठीक हो जाएंगी। राखी की मां जया सावंत ने वीडियो में कहा है कि धन्यवाद सलमान बेटा। जब हमारे पास पैसा नहीं था तो मुझे लगता था मैं ऐसे ही मर जाऊंगी।लेकिन परमेश्वर ने सलमान खान को फरिश्ता बना कर भेजा। उस समय सलमान खान ने हमारी मदद की और वह आज मेरा अपरेशन करवा रहे हैं। उनकी पूरी फैमिली हमारे साथ है मैं आपको और आपके पूरे परिवार को धन्यवाद करती हूं।आपका परिवार हमेशा सही सलामत रहे। मेरा परमेश्वर हमेशा आपके साथ रहेगा।आपको मेरा आशीर्वाद है आप खूब आगे बढ़े। इस वीडियो में राखी भी सलमान खान को धन्यवाद करती हैं और कहती है कि आपने मेरी मां की जान बचाई। आपको बहुत–बहुत धन्यवाद। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है–धन्यवाद भगवान और सलमान खान भाई। इस वीडियो पर उनके फैन्स भी उनकी मां के जल्द ठीक होने की दुआए कर रहे हैं। आपको बता दें कि राखी सावंत बिगबस १४ के घर में प्रतियोगी के रूप में नजर आयी थी। राखी हमेशा से चर्चा में बनी रहती है। राखी सावंत ने बिगबस के पहले सीजन में भी नजर आयी थी। कभी वे जिम के बाहर स्पट होती है तो कभी लोगों को मास्क लगाने के लिए फटकार लगाते हुए नजर आती हैं। वहीं बीते दिनों राखी का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था।जिसमें वो सब्जी खरीदती नजर आ रही हैं। राखी उस वीडियो में महंगी सब्जियों को लेकर परेशान दिख रही हैं। राखी बिगबस के घर में अपने शादी को लेकर बहुत बार भावुक नजर आयी थी। राखी ने अपने करियर की शुरुआत बैंक डांसर के रूप में की है।

IPL 2021: दिल्ली ने मुंबई को छह विकेट से हराकर दर्ज की तीसरी जीत

चेन्नई। लेग स्पिनर अमित मिश्रा (२४ रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी, ओपनर शिखर धवन की ४५ रन की उपयोगी पारी और ललित यादव की नाबाद २२ रन की

महत्वपूर्ण पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को आईपीएल के मुकाबले में मंगलवार को छह विकेट से हराकर चार मैचों में अपनी तीसरी जीत हासिल की। दिल्ली ने मुंबई को २० ओवर में नौ विकेट पर १३७ रन के मामूली स्कोर पर रोकने के बाद १६.१ ओवर में चार विकेट पर १३८ रन बनाकर जीत अपने नाम की। दिल्ली के लिए ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ ने २६ गेंदों में चार चौकों के सहारे ३३ रन , शिखर ने ४२ गेंदों पर महत्वपूर्ण ४५ रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। शिखर का विकेट १०० के स्कोर और कप्तान ऋषभ पंत का विकेट ११५ के स्कोर पर गिरा लेकिन इसके बाद ललित यादव ने २५ गेंदों में एक चौके की मदद से नाबाद २२ और शिमरन हेत्माएर ने नौ गेंदों पर दो चौकों के सहारे १४ रन बनाये। हेत्माएर ने कीरोन पोलार्ड के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर चौका लगाया जबकि अगली गेंद पर नोबल पड़ते ही दिल्ली को जीत मिल गयी। दिल्ली को चेन्नई में २०१० के बाद से पहली जीत मिली। दिल्ली अब अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि मुंबई चार मैचों में दूसरी हार के बाद अब चौथे स्थान पर आ गयी है।

इमरान हाशमी फिर छाए 'लुट गए' सॉंग को लेकर, बनाया ये बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी की फिल्मों के गाने फिल्म आने से पहले ही हिट हो जाया करते है। हाल ही में उनका म्यूजिक एलबम 'लुट गए' रिलीज हुआ। रिलीज होने के कुछ समय बाद ही इस गाने ने एक बड़ा रिकॉर्ड कायम कर लिया है। टी– सीरीज के बैनर तले रिलीज हुआ ये गाना लोगों को काफी पसंद आ रहा है। इस गाने को पपुलर सिंगर जुबिन नौटियाल ने गाया है। राधिका राव और विनय सप्रू ने डायरेक्ट किया है। गाने के बोल तनिष्क बाग्ची ने लिखे हैं। ६० दिन के भीतर ही इस गाने पर यूट्यूब पर ५०० मिलियन व्यूज हो गए हैं। गाना रिलीज होते ही यूट्यूब पर छा गया और नंबर वन पर ट्रेंड करता रहा था। हालांकि गाने को रिलीज हुए दो महीने हो चुके हैं, लेकिन फिर भी इसका क्रेज अभी तक लोगों के दिलों दिमाग से नहीं उतरा है। म्यूजिक वीडियो में इमरान हाशमी के अपोजिट युक्ति थरेजा हैं। गाने में दिखाया गया है

कि कैसे एक रात में दुल्हन से एक पुलिस वाले को लव हो जाता है और वह उसे मंडप से भगा ले जाता है। एक ही रात में दोनों को लव भी जाता है। लेकिन उसी रात तीन गुंडे दुल्हन को शूट कर देते हैं। ऐसे में इमरान अपने प्यार को बचा नहीं पाते हैं। लेकिन अपराधियों का एनकाउंटर कर देता है। गाने के आखिर में दिखाया गया है कि ये घटना १६६१ की है। जब अंडरकवर कोप विजय दांडेकर अपराधियों को शूट आउट कर देते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक